अन्तरसांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप में परम्परागत माध्यम

Folk Media as instruments of Inter-cultural communication

By-

Dr. Parmatma Kumar Mishra

Assistant Professor

Dept. of Media Studies

Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar

Email: pkmishra@mgcub.ac.in

अन्तरसांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप में लोक माध्यम या परम्परागत माध्यम की चर्चा से पूर्व लोक माध्यम के विविध आयामो से परिचित होना आवश्यक है-

Before discussing the folk medium or traditional medium as a tool of intercultural communication, it is necessary to be familiar with the diverse dimensions of the folk medium.

परम्परागत माध्यम या लोक माध्यम (Traditional Media or folk Media)

- परम्परागत माध्यम या लोक माध्यम, जनसम्प्रेषण का एक ऐसा प्राचीन माध्यम है जो प्रदर्शन कलाओं को संदर्भित करता है और इसे लोगों के सामने सांस्कृतिक प्रतीकों के रूप में वर्णित किया जाता है।
- The traditional medium, or folk media, is an ancient medium of mass communication that refers to the performing arts and is described as cultural symbols in front of people.
- लोक नृत्य, लोक गीत, लोक संगीत,लोक कथाएं, ग्राम्य नाटक जैसे कठपुतली, रामलीला, रासलीला और गाँव के लोगों की संगीत की विविधता, सभी परम्परागत माध्यम के अंतर्गत आते हैं। यह माध्यम केवल नृत्य और संगीत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कला और शिल्प भी शामिल हैं। लोगों को खुद को व्यक्त करने की आवश्यकता के परिणामस्वरूप परम्परागत माध्यम की उत्पत्ति हुई। ये प्रदर्शन कलाएं जीवन के साथ स्पंदित होती हैं और धीरे-धीरे समय के प्रवाह के माध्यम से बदल जाती हैं।

❖ Folk dances, folk songs, folk music, folk tales, village dramas such as puppetry, Ramlila, Rasleela and the variety of music of the village people, all fall under the traditional medium. This medium is not only limited to dance and music, but also includes arts and crafts. The need for people to express themselves resulted in the creation of the traditional medium. These performing arts are pulsed with life and gradually change through the flow of time.

➡ भारत बहुआयामी देश और यहां लोक प्रदर्शन एक समग्र कला है। यह संगीत, नृत्य, उपसंहार, छंद, महाकाव्य गाथा पाठ, धर्म और व्रत, त्यौहार, खेती-किसानी आदि तत्वों के संयुक्त से बनाई गई सम्प्रेषण कला है। यह विभिन्न समारोह, अनुष्ठान, विश्वास और सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिम्बित करता है।

➡ India is a multifaceted country and folk performance is a composite art. It is a communicative art composed of a combination of music, dance, epilogue, verses, epic saga recitation, religion and fasting, festivals, farming and farming. It reflects various ceremonies, rituals, beliefs and social order.

➢ भारत की अधिकांश आबादी ग्रामीण है और यहां लोक कला, रंगमंच, संगीत, नृत्य, कला और शिल्प का खजाना है लोक कलाएं आत्म अभिव्यक्ति के लिए हमारी सहज आवश्यकता को पूरा करती हैं। यह पारंपरिक रूप में हमारे पूर्वजों की परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करते हैं और जीवन को प्रभावित करते हैं। प्रत्येक समाज, क्षेत्र और देश की अपनी लोक कलाएं है जो उस जगह में बेहद लोकप्रिय और प्रासंगिक होते है।

➢ Majority of the population of India is rural and has a wealth of folk arts, theater, music, dance, arts and crafts. Folk arts fulfill our innate need for self-expression. It traditionally preserves the tradition and culture of our ancestors and influences life. Every society, region and country has its own folk arts which are very popular and relevant in that place.

❖ कला के प्राचीन रूप होने के कारण, लोक माध्यम लोगों के दिलों के बहुत करीब है। पारंपरिक माध्यम सार्वभौमिक अपील रखती है। इसकी समझ प्रत्यक्ष और व्यक्तिगत स्तर पर है। परम्परागत रूप में लोक प्रदर्शन किसी भी समुदाय के शैक्षिक, सामाजिक और वित्तीय स्थिति के बावजूद समान रूप से लोकप्रिय हैं। विभिन्न शोधकर्ताओं ने विकास संचार में पारंपरिक लोक माध्यम के महत्व को स्थापित किया है।

❖ Being an ancient form of art, the folk medium is very close to the hearts of the people. The traditional medium holds universal appeal. Its understanding is both direct and personal. Traditional folk performances are equally popular regardless of the educational, social and financial status of any community. Various researchers have established the importance of traditional folk media in development communication

❖ परंपरागत रूप से, लोक माध्यम का उपयोग मुख्य रूप से मनोरंजन, सामाजिक संचार और प्रेरक संचार के लिए किया जाता था। विकास से सम्बंधित सूचनाओं को संप्रेषित करने के लिए लोक माध्यम का इस्तेमाल होता रहा है और आज इसका प्रयोग तकनीकी के साथ जोड़कर किए जाने के प्रयास हो रहे हैं।

Traditionally, folk media was mainly used for entertainment, social communication and motivational communication. Public media has been used to communicate information related to development, and today efforts are being made to combine it with technology.

★ पिछले कुछ दशकों में पारंपरिक लोक माध्यम को तेजी से विकास संदेश प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में पहचाना गया है। सजीव प्रदर्शन के रूप में और इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के साथ एकीकृत रूप में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा है।

In the last few decades, the traditional folk medium has been recognized as an important tool for imparting rapid development message. It is also used as a live demonstration and integrated with electronic mass media.

अन्तरसांस्कृतिक संचार के लिए वह सभी माध्यम उपयोग में लाये जाते है जो इस समय प्रचलित है। अन्तरसांस्कृतिक संचार, जिसमें दो संस्कृतियों के बीच संचार के साथ-साथ विभिन्न संस्कृतियों का संचार , परम्परागत माध्यम, मुद्रित माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा), न्यू मीडिया और सोशल मीडिया द्वारा किया जाता है। इसमें परम्परागत माध्यम या लोक माध्यम से संस्कृति का संचार या सम्प्रेषण अधिक प्रभावी होता है। ऐसा इसलिए है कि लोक माध्यम के मूल में संस्कृति है। लोक माध्यम जन अभिरुचि का माध्यम है। लोक माध्यम की अनेक ऐसी विशेषताएं है जिससे स्पष्ट होता है कि यह अन्तरसांस्कृतिक संचार के एक उपकरण के रूप में महत्वपूर्ण है। इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं निम्नलिखित है-

All those mediums are used for intercultural communication which is prevalent at present. Intercultural communication, including communication between two cultures, as well as communication of different cultures, is done by traditional media, printed medium, electronic medium (radio, television, cinema), new media and social media. In this, communication or communication of culture through traditional medium or folk medium is more effective. This is because culture is at the core of the folk medium. Public medium is the medium of public interest. The folk medium has many features that show that it is important as a tool of intercultural communication. Its important features are:

परम्परागत लोक माध्यम की विशेषताएं –
(Characteristics of traditional folk Media)-

1-इसमें संप्रेषक और दर्शक या श्रोता प्रत्यक्षतः आमने-सामने होते है।
In this, the communicator and the audience or listener are directly face to face.

2-संप्रेषक और दर्शक के प्रत्यक्षतः आमने-सामने होने से यह अन्य माध्यमों की अपेक्षा सबसे अधिक विश्वासनीय होती है।
With the communicator and the viewer being directly face to face, it is more reliable than other mediums.

3- अधिकांशतः मनोरंजक शैली में सूचना या विचार सम्प्रेषित किए जाते है।
Information or ideas are communicated in mostly entertaining style.

4- लोक माध्यम समय के प्रहार को खूब झेला है और बदलते समय के साथ आज भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है।
The folk medium has withstood the assault of time and with the changing times, its relevance still remains.

5. यह अन्य माध्यमों की अपेक्षा सहज और लचीला होता है।
It is comfortable and flexible compared to other mediums

6. इसमें तत्काल प्रतिक्रिया और बढ़ी हुई साख देखने को मिलती है।
There is immediate response and increased credibility

8. यह एक सामान्य या यूँ कहिए कि लोक बोली और भाषा में प्रस्तुत किया जाता है। बोली एवं लोक भाषा को संजोने में लोक भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है।
Be it a general or simply that folk is presented in dialect and language. Folk language has an important role in capturing dialect and folk language

9. लोक माध्यमों की सबसे बड़ी विशेषता है की मानव द्वारा उस समूह की संस्कृति, भाषा,परिवेश एवं रूचि के अनुरूप संदेशो का सम्प्रेषण किया जाता है जिस समूह में संदेश सम्प्रेषित करना होता है।

The biggest characteristics of the folk media is that messages are communicated by humans according to the culture, language, environment and interest of the group in which the message is to be communicated.

परम्परागत या लोक माध्यम का महत्व-
Importance of traditional or folk medium

1. परम्परागत माध्यम पूर्णतः स्वदेशी होती है। इसका उपयोग अक्सर पारंपरिक रूप में स्थानीय लोगों के द्वारा उन्ही लोगों के लिए सूचना, विचार और मनोरंजन के लिए किया जाता है

The traditional medium is completely indigenous. It is often used by locals locally for information, ideas and entertainment for the same people.

2. कठपुतली नृत्य,, लोक नाटक, कहानी जैसे पारंपरिक या स्थानीय लोक सम्प्रेषण की विधा के रूप में इसे जाना जाता है । इसके लोक गीत दर्शकों के लिए सुपरिचित और प्रभावी होते हैं और उनके बारे में लोग सकारात्मक भावना रखते है। इस लोग खूब पसंद करते हैं। इस माध्यम की एक सबसे बड़ी खूबसूरती है कि दर्शक या ऑडियंस तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान कर सकता है

It is known as a form of traditional or local folk communication such as puppet dance, folk drama, story. Its folk songs are well known and effective for the audience and people have a positive feeling about them. This people like it a lot. One of the greatest beauty of this medium is that the audience or audience can provide immediate feedback.

3. लोक कला अनेक रूपों में आत्म-अभिव्यक्ति के लिए हमारी सहज आवश्यकता को और अधिक संतुष्ट करती है। हमारे पूर्वजों की परंपरा और संस्कृति के दर्शन इन माध्यमों में बहुतायत देखने को मिलते हैं।

Folk art in many forms satisfies our innate need for self-expression. The philosophy of tradition and culture of our ancestors is found in abundance in these mediums.

4. पारंपरिक मीडिया ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रभावी हैं क्योंकि तकनीक रूप में यह अत्यंत सहज और आसान है। पारंपरिक माध्यम अधिक प्रभावी ढंग से भावनाओं को उत्तेजित कर सकता है और प्रभावित कर सकता है.

Traditional media are more effective in rural areas as it is extremely intuitive and easy in technology. The traditional medium can stimulate and influence emotions more effectively.

5.अशिक्षितों के लिए भी लोक माध्यम ग्राह्य है। लोक माध्यम सांस्कृतिक लोकाचार को दर्शाते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में आम आदमी के दिलों के बहुत करीब होता है।

Public medium is also acceptable for the illiterate. Folk mediums reflect cultural ethos and are very close to the hearts of the common man in rural areas.

6. लोक कलाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शिक्षित करने में एक सार्थक भूमिका निभाना जारी रखा है। अशिक्षा, दहेज प्रथा, अंध-विश्वास, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, जनसंख्या विस्फोट, कुपोषण और पागलपन, सती जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति ग्रामीण लोगों को जागरूक करने में अग्रणी रही है।

Folk arts have continued to play a meaningful role in educating people in rural areas. He has been a pioneer in sensitizing the rural people about social evils like illiteracy, dowry system, blind faith, untouchability, communalism, population explosion, malnutrition and insanity.

भारत में परंपरागत संचार का स्वरूप-
Structure of Folk Media in India-

भारत में लोक नाटक या रंगमंच सदियों से लोक संस्कृतियों के अलग-अलग रूपों में मनोरंजन का साधन रहा है। साथ ही भारतीय संदर्भ में शास्त्रीय कलाओं और लोक कलाओं के बीच लगातार आदान-प्रदान होता रहा है। भारत में प्रचलित कुछ महत्वपूर्ण लोक माध्यम निम्नलिखित है-

Folk drama or theater in India has been a means of entertainment in different forms of folk cultures for centuries. Also in the Indian context, there has been a continuous exchange between classical arts and folk arts. Some of the important folk medium prevalent in India are-

- **जात्रा-** यह पूर्वी भारत अर्थात बंगाल का प्रसिद्ध नाटक है। हालांकि उड़ीसा और बिहार के कुछ हिस्सों में भी जात्रा का प्रचलन है।

  Jatra - This is a famous drama of Eastern India ie Bengal. However, Jatra is also prevalent in Orissa and parts of Bihar.

- **तमाशा-** महाराष्ट्र की ये लोकप्रिय नाटय कला है। इसमें जीवन संबंधी महत्वपूर्ण विषय वस्तु के साथ जीवन के दार्शनिक विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है।

  Tamasha - This is the popular drama art of Maharashtra. In it, philosophical analysis of life is presented along with important subject matter of life.

- **नौटंकी-** यह उत्तर भारत की लोक नाटय कला है। नौटंकी को खुले मंच पर प्रदर्शित किया जाता है। पौराणिक कहानियों पर आधारित नौटंकी की कथाएं उत्तर भारत में बहुत लोकप्रिय है।

  Nautanki - This is the folk theater art of North India. The gimmick is displayed on the open stage. Nautanki stories based on mythological stories are very popular in North India.

- **कठपुतली-** यह भी एक प्रकार की लोक कला है। लकड़ी के पुतले से निर्मित परदे के पीछे से ध्वनि और धागे से संचालित अत्यंत मनोरंजक लोक माध्यम है। यह बेजान होते हुए भी सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है। मनोरंजन के साथ अब शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका उपयोग किया जा रहा है। यह अत्यंत प्राचीन विधा है।

  Puppet - This is also a type of folk art. Made from wooden mannequins, behind the scenes is a highly entertaining folk medium powered by sound and thread. Despite being lifeless, it is the most popular genre. Along with entertainment, it is also being used in education. This is a very ancient mode.

भवई- ये नाटक उतरी गुजरात में अत्यंत प्रसिद्ध है। यह विशुद्ध धार्मिक नाटक है जो अम्बा देवी माता के स्थान के आस-पास या उसके सम्मुख ही प्रस्तुत किया जाता है।

Bhavai - This drama is very famous in northern Gujarat. It is a purely religious drama which is presented in or near the place of Amba Devi Mata.

नुक्कड़ नाटक- नुक्कड़ नाटकों का इतिहास अधिक पुराना नहीं है। यह सामाजिक विषयों से ओत-प्रोत गली, चौराहों पर खेला जाने वाला साधारण नाटक है जिसमें कथ्य पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है। बीसवीं सदी में अनेक जनसंगठनों ने लोक कलाओं की सहायता से नुक्कड़ नाटकों को लोकप्रिय बनाया।

Nukkad Natak- The history of Nukkad Natak is not very old. It is a simple drama played on intersections, interspersed with social themes, with a greater focus on storytelling. In the twentieth century, many mass organizations popularized street plays with the help of folk arts.

लोक गीत – भारतीय समाज में जीवन के प्रत्येक अवसर के लिए गीत मौजूद है। जन्म, विवाह , खेत में बुआई, कटाई और मड़ाई, विभिन्न व्रत, तीज त्यौहार से लेकर जीवन के सभी गतिविधि के अवसर पर गीत गाये जाते हैं।

Folk songs - Songs are present in Indian society for every occasion of life. Songs are sung on the occasion of all activities of life, from birth, marriage, field sowing, harvesting and harvesting, various fasts, Teej festivals.

लोक कथा - कथा कहने और प्रवचन देने की भारत में लंबी परंपरा है। जो आज भी संत-महात्माओं, गुरूओं के द्वारा निरन्तर जारी है।

Folk story- India has a long tradition of telling and giving discourses. Even today, the saint-mahatmas and gurus continue unabated.

यक्षगान- दक्षिण भारत विशेषकर उतरी कर्नाटक में 'यक्षगान' नाटक विशेष प्रसिद्ध है। यह नाटक हमेशा खुले में प्रदर्शित होता है।

Yakshagana - The drama 'Yakshagana' is particularly famous in South India, especially in northern Karnataka. This play is always shown in the open.

लोक कला – लोक माध्यम की इस महत्वपूर्ण विधा में लोक चित्रकला शामिल है। ग्रामीण समाज में महिलाएं घरों को सुंदर बनाने के उद्देश्य से चित्रकला का उपयोग करती हैं। बिहार की मधुबनी पेंटिंग इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं।

Folk Art - This important genre of folk medium includes folk painting. Women in rural society use painting for the purpose of beautifying homes. Madhubani paintings of Bihar are notable in this context.

अन्तरसांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप में लोक माध्यम-

Folk media as instrument of Intercultural communication.

- अन्तरसांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप में हम देख सकते है कि लोक माध्यम की सभी विधाएं सामाजिक परंपराओं में इस तरह से जुड़ी हैं कि उनका होना स्वयं में कोई विशेष आयोजन ना होकर एक सहज सामाजिक प्रक्रिया सा होता है। इसी कारण उसकी स्थिति समाज में सहज, स्वाभाविक विश्वसनीय और स्वीकार्य होती है।

  As a tool of intercultural communication, we can see that all the disciplines of the folk medium are interwoven in social traditions in such a way that their being is not a special event in itself but rather a smooth social process. This is why its position in society is natural, inherently reliable and acceptable.

- अन्तरसांस्कृतिक संचार की तरह लोकमाध्यम में प्रयोग किए जाने वाली भाषा, जिसमें सभी प्रतीक और चिन्ह भी शामिल हैं, इतनी सरल और ग्राह्य होती है कि आम लोगों को उन्हें समझने में आसानी होती है। भाषा की ये सरलता लोक माध्यमों को आधुनिक माध्यमों की तुलना में अधिक प्रभावशाली बनती है।

  Like intercultural communication, the language used in folk media, including all symbols and symbols, is so simple and acceptable that it is easy for the common people to understand them. This simplicity of language makes folk mediums more effective than modern mediums.

- परंपरागत माध्यम की कथा वस्तु जैसे कहानी, किस्से, चुटकले, गीत आदि परंपराओं के रूप में समाज में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही होती है, अन्तरसांस्कृतिक सम्प्रेषण में भी हम पाते हैं कि जब संस्कृति को लेकर संचार किया जाता है तो लोक माध्यम की परम्परागत उक्त विषय वस्तु को प्रमुखता दी जाती है।

  Traditional medium narrative items such as story, stories, jokes, songs etc. are being passed down from generation to generation in the society, even in intercultural communication we find that when culture is communicated then folk medium The tradition of the said subject matter is given prominence.

- भारत सहित अनेक देश या समाज की संस्कृति के लोग आज भी बड़ी तादाद में अनपढ़ और गरीब हैं। ये लोग गावों में रहते है और परंपराओं में जीते हैं। लोक माध्यम इस पृष्ठभूमि में काफी प्रासंगिक और लाभकारी है और एक अन्तरसांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप में महत्वपूर्ण है।

  People of many countries or societies, including India, are still illiterate and poor in large numbers. These people live in villages and live in traditions. The folk medium is quite relevant and beneficial in this background and is important as a tool of intercultural communication.

Refrences-

1.http://medicom-communication.blogspot.com/2010/02/traditional-folk-media-

2.https://journalism-edu.org/sessions/9-the-others-through-history-and-today-the-role-of

3.https://www.researchgate.net/publication/280065122_Traditional_Folk_Media_-_An_Effective_Communication_Tool_

4.http://www.kkhsou.in/main/masscom/traditional_folkmedia.html

5.http://www.newswriters.in/2015/07/07/traditional-media-struggling-for-survival/

धन्यवाद Thanks